Re-alignment of coal linkage by coal department

57. DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether there is any proposal for re-alignment of coal linkages by coal department; and

(b) whether Government will consider coal linkage to Manuguru and Muddanoor Thermal Projects of Andhara Pradesh in the Eighth Plan Period?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF COAL IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI C. K. JAFFAR SHARIEF): (a) Except for minor changes necessitated by demand and supply conditions, no major re-alignment of established long term coal linkages of power plants is being done.

(b) Coal linkage for muddanur TPS C2x210 MW) has already been given. Looking to the demand and supply position of coal in respect of the Godavari Valley Coalfield during the Fighth Plan period, it has not been found possible to provide coal linkage to the proposed Manuguru TPS.

कन्वेयर बेल्ट का निर्माण

58. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सी० सी० एल० ने करगरनी क्षेत्र में कोल वाशरी तक कोयला ले जाने के लिए कन्वेयर बेल्ट के निर्माण पर छः करोड़ रुपये खर्च किए थे लेकिन उक्त बेल्ट के निर्माण में असाधारण विलम्ब होने के कारण वहां कोयले के भंडार खत्म हो चुके हैं और कोल-वाशरी तक ले जाने के लिए कोयला नहीं बचा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त निर्माण को तोड़ने के लिए करोड़ों रुपये की मांग की जा रही है ; और

(ग) क्या सरकार इस अपव्यय के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही करेगी ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी.के. जाफर शरीफ) : (क) और (ख) सेंट्रल कोलफील्ड्स लि० ने सितम्बर 1986 में बोकारा कोलियरी से करगली वाशरी तक कोयले का परिवहन करने के लिए 3.82 करोड़ रुपये की लागत से (4.4 करोड़ रुपये की परिलक्षित लागत करने के मुकाबले में एक क्रास कंट्री कन्वेयर परिवहन प्रणाली चालू की। यह प्रणाली तभी से निरंतर कार्यरत है। एक खान के बंद हो जाने के कारण प्रणाली की लम्बाई को कम किए जाने के लिए अब एक अतिरिक्त बंकर जोड़ा जा रहा है। इस प्रणाली को विखंडित किए जाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

कोल हैंडलिंग प्लांट का बेकार रहना

59. **श्री राम अवधेश सिंह**: क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत कोकिंग कोल लि० के अधीन 10 करोड़ रुपये से अधिक लागत से निर्मित दर्जनों कोल हैंडलिंग प्लांट बेकार पड़े हैं और उनमें से केवल एक कोल हैंडलिंग प्लांट काम कर रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उपरोक्त कोल हैंडलिंग प्लांटों के निर्माण का कार्य दस वर्ष पहले शुरू किया गया था

(ग) क्या यह भी सच है कि आधे से अधिक नवनिर्मित कोल हैंडलिंग प्लांट

का सही रूप से चलाने के लिए अभी करोड़ों रुपये और खर्च किए जाने की संभावना है ;

(घ) क्या निर्माणाधीन कोल हैंडलिंग प्लांटों के 1985 में पूरा हो जाने की आशा थी ; और

(ङ) क्या निर्माण कार्य को पूरा करने में विलंब के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई की गयी थी ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी०के०जाफर शरीफ) : (क) से (घ) भारत कोकिंग कोल लि० में 13 कोयला रख-रखाव संयंत्रों में से 12 कोयला रख-रखाव संयंत्र को पहले ही चालू कर दिया गया है । अगस्त, 1986 में आरंभ किए गए एक कोयला रख-रखाव संयंत्र की अगस्त, 1989 में चालू हो जाने की संभावना है । कुछ कोयला रख-रखाव संयंत्रों को चालू करने में विलंब हुआ तथा उनकी लागत में वृद्धि हुई और उनमें यह विलंब एक वर्ष से लेकर 6 वर्ष तथा 9 महीने तक की अवधि का विभिन्न कारणों, जैसे भूमि अधिग्रहण से सम्बद्ध समस्याएं आने, कार्य के स्वरूप में परिवर्तन होने और सीमेंट तथा इस्पात की अनुपलब्धता से हुआ। इस संबंध में सुधारात्मक उपाय किए गए हैं ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

कोयले के परिवहन के लिये फर्जी ठेका

60. **श्री राम अवधेश सिंह :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बी० सी० सी० एल० के अध्यक्ष सह प्रबंधनिदेशक के निर्देशों पर के० ओ० सी० पी० से बाराग्रड़ तथा बाराग्रड़ साइडिंग पर कोयले के परिवहन के बड़े ठेके 1986-87 की दरों की तुलना में बहुत अधिक दरों पर एक फर्जी कंपनी "विनोद ट्रांसपोर्ट" को, जो कतरास मोड़, झरिया पर स्थित हैं, दिये गये हैं । और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस फर्जी कंपनी के ठेके को कब तक रद्द कर देगी ?

ऊर्जा मंत्रालय में कोयला विभाग में राज्य मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क) और (ख) के० ओ० पी० सी० से बुरागढ़ साइडिंग तक कोयले का परिवहन किए जाने संबंधी संविदा कार्य एक भागीदारी फर्म मैसर्स विनोद ट्रांसपोर्ट को दिनांक 20-6-1986 से एक वर्ष की अवधि के लिए 32.92 रु० प्रति टन की दर पर किस्तों के आधार पर दिया गया था । इस संविदा कार्य में निम्नलिखित शामिल था—कोयले का परिवहन कोयले का लदान तथा पुनः लदान और संविदाकर्त्ता के कामगारों तथा उपकरणों द्वारा कोयले का रेलवे वैगनों में समतलन कार्य । इसके अलावा संविदाकर्त्ता की जिम्मेदारी, कोयले में व्यर्थ की सामग्री को निकालने, कोयले को आवारिकृत करने, भण्डारों की सुरक्षा करने तथा रेलवे वैगनों में विलंब के कारण रेलवे को नुकसान की अदायगी करने से संबंधित कार्यों तक की थी । संविदा के समय 4 अन्य संविदाकर्त्ताओं ने भी उक्त विनोद ट्रांसपोर्ट के साथ संविदा किए थे और इनमें सब से न्यूनतम दर विनोद ट्रांसपोर्ट द्वारा ही दी गई थी । अतः यह कार्य इन्हें ही आबंटित कर दिया गया । बाद में इसी संविदाकर्त्ता की संविदा की अवधि को उन्हीं शर्तों के आधार पर 31-3-1988 की अवधि तक बढ़ा दिया गया । चूंकि विनोद ट्रांसपोर्ट की संविदा की अवधि मार्च, 1988 को समाप्त हो गई है और अब यह कार्य अगस्त, 1988 से छोटा नागपुर मोटर परिवहन सहयोग समिति को आबंटित कर दिया गया है । वर्ष 1985-86 के दौरान इस क्षेत्र में कोयले के परिवहन का कार्य 25.13 रु० प्रति टन की दर पर दिया गया था।